

गुरु अष्टोत्तर शतनामावलि

ॐ गुरवे नमः
ॐ गुणाकराय नमः
ॐ गोप्त्रे नमः
ॐ गोचराय नमः
ॐ गोपतिप्रियाय नमः
ॐ गुणिवे नमः
ॐ गुणवतां श्रेष्ठाय नमः
ॐ गुरुनां गुरवे नमः
ॐ अव्ययाय नमः
ॐ जेत्रे नमः

ॐ जयंताय नमः
ॐ जयदाय नमः
ॐ जवाय नमः
ॐ अनंताय नमः
ॐ जयवहाय नमः
ॐ आंगिरसाय नमः
ॐ अध्वरमक्ताय नमः
ॐ विविक्ताय नमः
ॐ अध्वरकृत्पराय नमः
ॐ वाचस्पतये नमः

ॐ वशिने नमः
ॐ वश्याय नमः
ॐ वरिष्ठाय नमः
ॐ वाग्वाचक्ष्णाय नमः
ॐ चित्तशुद्धिकराय नमः
ॐ श्रीमते नमः
ॐ चैत्राय नमः
ॐ चित्रशिखण्डिजाय नमः

ॐ बृहद्रथाय नमः
ॐ बृहद्भानवे नमः

ॐ बृहस्पतये नमः
ॐ अभीष्टदाय नमः
ॐ सुराचर्याय नमः
ॐ सुराराध्याय नमः
ॐ सुरकार्य कृतोद्यमयाय नमः
ॐ गीर्वाणपोषकाय नमः
ॐ धन्याय नमः
ॐ गिष्पतये नमः
ॐ गिरिशाय नमः
ॐ अनघाय नमः

ॐ धीवराय नमः
ॐ धीषणाय नमः
ॐ द्विव्यभूषणाय नमः
ॐ देवपूजिताय नमः
ॐ धनुर्धराय नमः
ॐ दैत्यहन्त्रे नमः
ॐ दयासराय नमः
ॐ दयाकराय नमः
ॐ दारिद्र्यनाशनाय नमः
ॐ धन्याय नमः

ॐ दक्षिणायन संभवाय नमः
ॐ धनुर्मिनाधिपाय नमः
ॐ देवाय नमः
ॐ धनुर्भाषाधराय नमः
ॐ हरये नमः

ॐ अंगारोवर्ष संजताय नमः
ॐ आंगीरः कुलसंभवाय नमः
ॐ सिन्धुदेशाधिपाय नमः
ॐ धीमते नमः
ॐ स्वर्णकायाय नमः

ॐ चतुर्भुजाय नमः
ॐ हेमांगदाय नमः
ॐ हेमवपुशे नमः
ॐ हेमभूषण भूषिताय नमः
ॐ पुष्यनाथाय नमः
ॐ पुष्य राग मणिमन्दन मन्दि काशपुष्प
समनाभाय नमः
ॐ ईन्द्रधमर संघपाय नमः
ॐ असमानबलाय नमः
ॐ सत्व गुण सम्पद्धिभावसवे भूसुरभीष्टदाय
नमः
ॐ भूरियशसे नमः

ॐ पुण्य विवर्धनाय नमः
ॐ धर्मरूपाय नमः
ॐ धनाध्यक्षाय नमः
ॐ धनदाय नमः
ॐ धर्मपालनाय नमः
ॐ सर्व वेदार्थ तत्त्वज्ञाय नमः
ॐ सर्व पद्धि निवारकाय नमः
ॐ सर्व पाप प्रशमनाय नमः
ॐ स्वरमतानुगतमराय नमः
ॐ ऋग्वेदपारगाय नमः

ॐ ऋक्ष राशि मार्ग प्रचारवते सदानन्दाय नमः
ॐ सत्यसंधाय नमः
ॐ सत्य संकल्प मानसाय नमः
ॐ सर्वगमज्ञाय नमः
ॐ सर्वज्ञाय नमः
ॐ सर्व वेदान्तविद्ये नमः
ॐ ब्रह्मपुत्राय नमः
ॐ ब्रह्मणोषाय नमः
ॐ ब्रह्म विद्या विशारदाय नमः
ॐ समानाधिक निर्भुक्ताय नमः
ॐ सर्व लोक वशंवदाय नमः
ॐ ससुरासुर गन्धर्व वन्दिताय नमः
ॐ सत्य भाषणाय नमः
ॐ बृहस्पतये नमः
ॐ सुराचर्याय नमः
ॐ दयावते नमः
ॐ शुभलक्षणाय नमः
ॐ लोकत्रयगुरवे नमः
ॐ श्रीमते नमः
ॐ सर्वगाय नमः
ॐ सर्वतो विभवे नमः
ॐ सर्वेशाय नमः
ॐ सर्वदुष्टाय नमः
ॐ सर्वदाय नमः
ॐ सर्वपूजिताय नमः